वीरेनडंगवाल

तोप

कविपरिचयः-

वीरेनडंगवाल का जन्म उत्तराखंड के टिहरीगढ़वाल जिले के कीर्ति नगर में 5 अगस्त 1947 में हुआ। आपने अपनीआरंभिक शिक्षा नैनीताल में तथा उच्च शिक्षा इलाहाबाद में प्राप्त की। इन्होंने अध्यापक पद पर कार्य किया तथा पत्रकारिता से भी जुड़े रहे। आप ने अपनी कविताओं का आधार ऐसी चीजें और जीव-जंतुओं को बनाया, जिन्हें मनुष्य देख कर भी अनदेखा कर देता है।इसी दुनिया में कविता संग्रह के लिए आपको श्रीकांत वर्मा पुरस्कार तथा दुष्चक्र में स्रष्टा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। आपको अन्य कई पुरस्कार भी मिले। आपने अन्य भाषाओं में लिखी गई महत्वपूर्ण कविताओं का हिंदी में अनुवाद भी किया। 28 सितंबर को 2015 को मैं आप का निधन हो गया।

तोपकविता

पाठपरिचयः-

कंपनी बाग के मुहाने पर रखी गई तोप1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में प्रयोग की गई थी। इस तोपने बड़े-बड़े वीरों की धज्जियाँउड़ाई थी, परंतु आज यह शक्तिहीन है। इस पर बच्चे सवारी करते हैं तथा इस पर चिड़ियाँ बैठकर गपशप करती हैं। यह कविता संदेश देती है कि प्रबल शक्ति भी एक दिन पराजय का मुख देखती हैं तथा अपने पूर्वजों की गलतियों से हमें सीख लेनी चाहिए।

कंपनी बाग के मुहाने पर

धररखी गई है वह 1857 की तोप

इसकी होती है बड़ी सम्हाल,विरासत में मिले कंपनी बाग की तरह

साल में चमकाई जाती है दो बार।

सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी

उन्हें बताती है यह तोप

कि मैं बड़ी जबर

उड़ा दिए थे मैंने

अच्छे-अच्छे सूरमाओंकेधज्जे

अपने जमाने में

शब्दार्थः-मुहाने- मुख्य द्वार, सम्हाल- देखभाल,विरासत- पूर्व पीढ़ियों से प्राप्त वस्तु,सैलानी- घूमने आने वाले यात्री या पर्यटक, जबर- जबरदस्त (शक्तिशाली),सूरमा-वीर, धज्जे-चिथड़े-चिथड़े

व्याख्या:-

कंपनी बाग अर्थात् अंग्रेजों के समय के बाग के मुख्य द्वार पर एक 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में प्रयोग में आई तोप रखी हुई है। इस तोप की खूब देखभाल होती है, जैसे कंपनी बाग की होती है, क्योंकि दोनों ही हमें पूर्वजों से प्राप्त हुई है। इस तोपको साल में दो बार हमारे राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त व 26 जनवरी के दिन चमकाया जाता है।

सुबह-शाम कंपनी बाग में अनेकपर्यटक आते हैं। उन्हें यह तोप बताती है कि अपने जमाने में मैं बहुत जबरदस्त थी तथा मैंने बड़े-बड़े वीरों के चिथड़े उड़ा दिए थे।

भाषासौंदर्य:-

1) भाषा सरल खड़ी बोली।
2) उर्दू के शब्दों का सुंदर प्रयोग।
3) छंदमुक्तरचनाशैल।
4) चित्रात्मक शैली।
5) अच्छे-अच्छे पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार

अब तो बहरहाल

छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो

तो उसके ऊपर बैठकर

चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप

कभी-कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं

खासकर गोरैयें

वेबताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप

एकदिन तो होना ही है उसका मुंह बंद।

शब्दार्थ:- बहरहाल- आजकल, फिलहाल, फ़ारिग – खाली,अकसर- अधिकतर,गपशप- बातचीत,शैतानी- शरारत, दरअसल- वास्तव में।

व्याख्या:-

परंतु आजकल यह तोप बच्चों की सवारी के काम आती है। जब तोप बच्चों की सवारी से मुक्त होती है, तब इस पर चिड़ियाँ बैठकर बातें करती हैं। कभी-कभी गोरैया इसके आग उगलने वाले मुख में घुस जाती है। इससे यह पता चलता है कि तोपहोया व्यक्ति, वह

कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो,सदा उसकी शक्ति नहीं रहती। एक ना एक दिन वह शक्तिहीन हो ही जाते हैं।

भाषासौंदर्य:-

1) सरल खड़ी बोली।
2) उर्दू के शब्दों का प्रयोग,जैसे-बहरहाल, फ़ारिग,अकसर, दरअसल।
3) छंद मुक्तरचना।
4) चित्रात्मकशैली।

5)कभी-कभी पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार

प्रश्नोत्तर

प्रश्न1) विरासत में मिली चीजों की बड़ी संभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:- विरासत में मिली चीजें हमें हमारे पूर्वजों से प्राप्त होती हैं-किसी वस्तु, इमारत,मूल्योंआदि के रूप में।विरासत में मिली चीजें हमें हमारे पूर्वजोंवउनकेसमय के विषय में बताती हैं। विरासत में मिली चीजों को संभाल कर रखने के निम्नलिखित उद्देश्यहैं-

अ- वर्तमान पीढ़ी को अपने पूर्वजों के विषय में जानकारी प्राप्त होती है।

ब-हमारे पूर्वजों ने कौन सी गलतियाँकी-वो तो पता चलती हैंतथा उनसे शिक्षा लेकर हम गलतियों को नहीं दोहराएँगे।

स-विरासत में मिली परंपराएँएक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होती हैं।

प्रश्न2) इस कविता से आपको तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर:- इस कविता से हमें तोप के विषय में जानकारी मिलती है कि यह अंग्रेजों द्वारा बनाई गई थी, जो 1857 की क्रांति में काम आई थी। यह खूब शक्तिशाली थी तथा इसके कारण अनेक वीर वीरगति को प्राप्त हुए थे।अपने समय की शक्तिशाली तोप आज शक्तिहीन

है, अर्थात् कभी शक्ति का घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि सदा शक्ति एक समान नहीं रहती। इसी का परिणाम हैकि आज शक्तिशाली अंग्रेज हमारा देश छोड़कर जा चुके हैं।

प्रश्न 3) कंपनी बाग में रखी तोपहमेंक्या सीख देती है?

उत्तर4:- कंपनीबाग में रखी तोप हमें सीख देती है –

अ- हमेंकभी भीअपनी शक्ति का घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि शक्ति हमेशा एक जैसी नहीं रहती।

ब- अन्याय करने वाले का अन्याय सदा नहीं रहेगा, क्योंकि अन्याय करने वाले को जवाब देने वाला एक दिन आता है।

स-हम पर होने वाले अत्याचार के पीछे हमारी क्या कमियाँथीं, उसका पता लगाना चाहिए तथा उनसे सीख लेनी चाहिए।

प्रश्न 4) कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई। यह दो अवसर कौन से होंगे?

उत्तरः- तोपकोसाल मेंदो बार चमकाया जाता है। वह दो अवसर हैं- हमारे राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्तऔर 26 जनवरी अर्थात्स्वतंत्रता दिवसऔर गणतंत्र दिवस, जो हमें याद दिलाते हैं कि तोप के कारण हमें कष्ट हुए। परंतु आज हम स्वतंत्र हैं और तोप शक्तिहीन है।

प्रश्न 5) तोप कहाँसंभाल कर रखी गई है?

उत्तरःतोपकंपनी बाग के मुहाने पर संभाल कर रखी गई है।

प्रश्न 6)1857 कीतोपका क्या आशय है?

उत्तरःतोपअंग्रेजों की है। अंग्रेजों ने 1857 की क्रांति को दबाने के लिए इसका प्रयोग किया था तथा इसके कारण अनेक वीर वीरगति को प्राप्त हुए।

प्रश्न7) तोप कविता में गौरैया द्वारा क्या बताया गया है?

उत्तरःगोरैया द्वारा बताया गया है कि कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों ना हो, एक दिन वह शक्तिहीन होजाता है। तब उससे कमजोर समझे जाने वाले प्राणी भी नहीं डरते,जैसे- अपने

समय की जबरदस्त तोप आज शक्तिहीन है तथा गोरैया आग उगलने वाले उसके मुख में प्रवेश कर जाती है।

प्रश्न8) कविता हमें क्या संदेश देती है?

उत्तरः- कविता संदेश देती है किकभी भी अपनी शक्ति का घमंड नहीं करना चाहिए। जैसे सब दिन एक जैसे नहीं होते, ऐसे ही शक्तिशाली भी एक दिन शक्तिहीन हो जाते हैं।

हमें अपने ऊपर होने वाले अत्याचार के कारण को समझना चाहिएतथा उस से शिक्षा लेकर अत्याचार के कारण का अंत करना चाहिए।पूर्वजों से विरासत में मिली चीजों को संभाल कर रखना चाहिए।ये हमारी धरोहर हैं तथा मार्ग दर्शक हैं।